पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2018-20 प्रका 12.2018 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंख

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

माता सुशीला-हरिदेव आर्य स्मृति दिवस

यज्ञ व संगीत संध्या

रविवार, 23 दिसम्बर 2018,
सायं 4 से 7 बजे तक
आर्य समाज, सूर्य निकेतन, पूर्वी दिल्ली
—यशोवीर आर्य,संयोजक

वर्ष-35 अंक-14 पौष-2075 दयानन्दाब्द 194 16 दिसम्बर से 31 दिसम्बर 2018 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.12.2018, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

आर्य समाज, सैक्टर-33, नोएडा का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न

अयोध्या में राम मन्दिर के लिये अध्यादेश लाये केन्द्र सरकार —अनिल आर्य

रविवार, 9 दिसम्बर 2018,आर्य समाज, सैक्टर–33, नोएडा का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। डा. वेदपाल जी (मेरठ) के प्रवचन व पं. दिनेश पथिक (अमृतसर) के मधुर भजन हुए। समारोह के विशिष्ट अतिथि परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनिल आर्य का शाल व स्मृति चिन्ह से अभिनन्दन करते समाज की प्रधान बहिन गायत्री मीना, मंत्री जितेन्द्र आर्य व डा. जयेन्द्र आचार्य। द्वितीय चित्र– वैदिक विद्वान डा. जयेन्द्र आचार्य का स्वागत करते बहिन गायत्री मीना, डा. वेदपाल जी, अनिल आर्य, यशोवीर आर्य, रविन्द्र सेठ, जितेन्द्र आर्य व कठपालिया जी। परिषद् अध्यक्ष श्री अनिल आर्य ने कहा कि मर्यादा पुरूषोतम श्री राम भारतीय संस्कृति के आधार स्तम्भ है, करोड़ों लोगों की भावनाये उनके साथ जुड़ी हुई है, अतः केन्द्र सरकार को चाहिये कि अविलम्ब अध्यादेश लाकर अयोध्या में भगवान राम मन्दिर के भव्य निर्माण का मार्ग प्रशस्त करे, बाबर एक विदेशी हमलावर था इसका भारत में क्या काम, साथ ही उन्होंने जनसंख्या नियन्त्रण कानून शीघ्र लाने की मांग दोहरायी।

आर्य समाज, हापुड़ (उत्तर प्रदेश) में दिव्य वेद कथा सम्पन्न

मंगलवार, 5 दिसम्बर 2018, आर्य समाज, हापुड़ में आचार्य संजीव रूप जी (बदांयु) की मनोहर वेद, गीता कथा सोल्लास सम्पन्न हुई। चित्र में–मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनिल आर्य व प्रान्तीय महामंत्री प्रवीन आर्य (गाजियाबाद) का स्वागत करते आचार्य संजीव रूप जी, प्रधान श्री आनन्दप्रकाश आर्य व मंत्री श्री कुंवरपाल आर्य व सामने पण्डाल में श्रद्वालु आर्य जन।

आर्य समाज, छत्तरपुर एक्स. व अमर कालोनी का वार्षिक उत्सव सोल्लास सम्पन्न

रविवार, 9 दिसम्बर 2018, आर्य समाज, छत्तरपुर जे.वी.टी.एस., नई दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। चित्र में– स्वामी धर्मेश्वरानन्द जी (महामंत्री, उत्तर प्रदेश सभा) का अभिनन्दन करते स्वामी श्रद्धानन्द जी (पलवल), अनिल आर्य, पं. रामनिवास आर्य (पानीपत), प्रधान ओमप्रकाश यजुर्वेदी, दक्षिण दिल्ली मण्डल के महामंत्री चतरसिह नागर, मंत्री ओमकुमार आर्य व रणवीरसिह आर्य। द्वितीय चित्र–आर्य समाज, अमर कालोनी, नई दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। चित्र में–परिषद् अध्यक्ष अनिल आर्य व प्रवीन आर्या का स्वागत करते प्रधान श्री जितेन्द्र डावर, मंत्री श्री ओमप्रकाश छाबड़ा व प्रि.अर्चना पुष्करना।

सत्य और न्याय के पक्षधर ईश्वरभक्त सुकरात

—कृष्णचन्द्र गर्ग

सुकरात ग्रीस नाम के देश मे एथेन्स नगर के निवासी थे। उनका समय ईसा से लगभग 400 वर्ष पूर्व अर्थात अब से लगभग 2400 वर्ष पूर्व का था। उस समय एथेन्स की जनता अन्धविश्वास, रूढ़ियों और गलत परम्पराओं में फंसी हुई थी। सुकरात उन्हें उस अज्ञानता से बाहर निकालने का प्रयास करते थे। इसी कारण उन्हें विष का प्याला पिलाकर मृत्यु–दण्ड दिया गया था। सुकरात पर मुकदमा एथेन्स की सारी जनता के सामने चला था। लोकतांत्रिक एथेन्स का हर नागरिक न्यायाधीश था। सुकरात 220 के मुकाबले 281 मतों से दोषी पाए गए थे। एथेन्स में एक ही दिन में निर्णय होता था। मुकदमें के दौरान सुकरात ने अपने पक्ष में जो तर्क दिए थे उन्हीं पर यह लेख आधारित है। सुकरात के शिष्य पलेटो ने उन्हें लिपिबद्ध किया था। सुकरात सत्य को और आत्मा की पवित्रता को सबसे अधिक महत्त्व देते थे। उन्हीं के शब्दों में सत्य और तर्क की कसौटी पर कसे बिना किसी की बात को माना नहीं जा सकता। ..... मैं छोटी या बड़ी किसी बात को न तो छिपाता हूँ, न तथ्यों का दमन करता हूँ। ईश्वर ने मुझे ऐसा करने की आज्ञा दी है। ..... देवतागण पवित्रता से प्रेम करते हैं क्योंकि वह पवित्र है, वह इसलिए पवित्र नहीं है कि देवतागण उससे प्रेम करते हैं।

एथेन्सवासियो! आप मेरे भाषण की शैली पर न जाएं। यह अच्छी भी हो सकती है और बुरी भी। आप सिर्फ इस बात पर ध्यान केन्द्रित करें कि मैं जो कुछ कह रहा हूँ वह न्यायपूर्ण है या नहीं।

मेरा यह विश्वास है कि केवल ईश्वर ही वास्तविक रूप से ज्ञानी है और मनुष्य के ज्ञान का मूल्य नहीं के बराबर है।

मेरे ऊपर वे यह आरोप लगाते हैं कि मैं लोगों से कहता हूँ कि वे देवताओं पर विश्वास न करें। मैं नवयुवकों को भ्रष्ट करता हूँ। मैं नागरिकों के देवताओं में विश्वास नहीं करता और नए देवताओं में विश्वास करता हूँ। वास्तविकता यह है कि वे सत्य को स्वीकार नहीं करना चाहते। वे ज्ञान का दिखावा करने वाले अज्ञानी लोग हैं। ..... मैं ऐसा काम कभी नहीं करूँगा जिसे मैं जानता हूँ कि बुरा है और मैं उस कार्य से भी भयभीत होकर पीछे हटने वाला नहीं हूँ जो अच्छा है।

हे एथेन्सवासियो! यदि आप मुझे इस शर्त पर छोड़ने को तैयार हैं कि मैं अपने विचारों को त्याग दूँ तो मेरा उत्तर है कि मैं ईश्वर की आज्ञा मानूँगा, आपकी नहीं। जब तक मुझ में सांस और शक्ति है तब तक़ मैं अपनी मान्यताओं को नहीं छोडूँगा और न आप में से प्रत्येक को यह सत्य बताने में चूकूँगा।

एथेन्सवासियो! आप मुझे छोड़ें या न छोड़ें, पर एक बात के सम्बन्ध में आप निश्चिन्त रहें कि मैं अपने जीवन का तरीका नहीं बदलूँगा। इसके फलस्वरूप मुझे चाहे एक बार नहीं, कई बार मरना पड़े। मैंने अपनी सारी जिन्दगी आपको यह समझाने में लगादी कि आप अपनी आत्मा की पूर्णता (पवित्रता) के लिए सबसे अधिक प्रयत्न करें।

मैं आपसे यह अनुरोध करता हूँ कि आप मुझे सजा देकर ईश्वर के विरुद्ध पाप न करें। यदि आप मुझे मृत्यु दण्ड देते हैं तो आपको आसानी से मेरे रिक्त स्थान की पूर्ति करने वाला कोई व्यक्ति नहीं मिलेगा। आलसी लोगों की तरह आप परेशान हैं क्योंकि आपको जगाया जा रहा है।

मानवीय आवेग पर होता तो मैं अपने सारे कामों को तिलांजलि न देता और इतने सालों से अपने निजि मामलों को बिगड़ने न देता। मैं बराबर आपकी सेवा में लगा रहा। हर आदमी को एक पिता या बड़े भाई की तरह मिलकर यह समझाता रहा कि वह सत्कार्य पर ध्यान दे। मैं यह सब निस्वार्थ भाव से, बिना किसी से पैसा लिए करता रहा हूँ।

एथेन्स या और किसी भी स्थान पर कोई भी आदमी जो जनगण की इच्छाओं का विरोध करता है और राज्य के अन्दर व्याप्त भयंकर अन्याय और अवैधता को रोकने की कोशिश करता है वह अधिक दिनों तक जीवित नहीं रह सकता। जो व्यक्ति न्याय पक्ष के लिए वास्तव में लड़ना चाहता है, उसे लड़ाई निजी व्यक्ति के रूप में जारी रखनी होगी न कि सार्वजनिक व्यक्ति के रूप में।

होमर के शब्दों में "मैं डंठलों या पत्थरों से पैदा नहीं हुआ हूँ, बल्कि एक स्त्री के गर्भ से पैदा हुआ हूँ।" मेरे भी नाते–रिश्तेदार हैं। मेरे तीन बच्चे हैं, उनमें से एक नवयुवक है और दो अभी छोटे हैं। फिर भी मैं उनमें से किसी को आपके सामने न तो पेश करूँगा और न आपसे प्रार्थना करूँगा कि आप मुझे छोड़ दें। मैंने अपनी जिन्दगी आराम से न बिताने की प्रतिज्ञा की है। सुकरात को दोषी मानकर मृत्यु–दण्ड दिया गया।

मैं समझता हूँ कि मृत्यु से बचना उतना कठिन नहीं है जितना कठिन दुष्टता से बचना है क्योंकि दुष्टता मृत्यु से अधिक तेज है।

एथेन्सवासियो! आपने मुझे मृत्यु–दण्ड दिया है तो मैं कुछ भविष्यवाणी करना चाहता हूँ। मैं मरने जा रहा हूँ और यही समय होता है जब मनुष्यों में भविष्यवाणी करने की शक्ति अधिक होती है। मैं यह भविष्यवाणी करता हूँ कि जिन लोगों ने मुझे मृत्यु–दण्ड दिया है उन्हें इससे कहीं अधिक सजा त्योंही मिलेगी ज्योंही मैं मर जाऊँगा। बहुत से और लोग पैदा होंगे जो आपसे हिसाब मांगेंगे। साधारण विश्वास के अनुसार मृत्यु एक परिवर्तन है और आत्मा की एक स्थान से दूसरे स्थान में यात्रा मात्र है। अब समय हो चुका है और हमको जाना चाहिए – मुझे मरने के लिए और आपको जीने के लिए। रहा यह कि जीवन बड़ा है या मृत्यु, इसे तो ईश्वर जानता है और केवल ईश्वर ही जानता है।

अब भी मैं वही हूँ जो हमेशा रहा हूँ, एक ऐसा आदमी जो युक्ति की सच्ची आवाज को सुनता है। वे तर्क मुझे हमेशा की तरह इस समय भी सही लगते हैं। कौन ज्यादा मूल्यवान है – शरीर या आत्मा? हमें इस बात पर नहीं जाना चाहिए कि बहुत से लोग क्या कहेंगे। हमें सिर्फ यह सोचना चाहिए कि जो भलाई और बुराई को समझ सकता है वह क्या कहता है और सत्य किस पक्ष में है। क्या हम यह विश्वास नहीं करते कि आत्मा की शरीर से विमुक्ति ही मृत्यु है। आत्मा उस समय सही रूप में तर्क करती है जब वह शरीर को किनारे रख देती है। जो व्यक्ति मृत्यु को पास आते देखकर कष्ट का अनुभव करता है वह ज्ञान का प्रेमी नहीं है बल्कि शरीर का प्रेमी है। संयम का अर्थ है अपने आवेगों पर नियन्त्रण और शासन कायम रखना।

आप लोगों को तथा अपने गुरुजनों को छोड़कर जाने में न तो मुझे क्रोध है और न कष्ट। इसका कारण है कि मैं ऐसा विश्वास करता हूँ कि अगले संसार में मेरा इस संसार की अपेक्षा कहीं अधिक अच्छे मित्रों तथा गुरुओं से सम्बन्ध होगा। मृतक की आत्माएं रहती हैं और मृतक फिर से जीवन प्राप्त करते हैं। शरीर को जीवित रखने वाला तत्व है आत्मा। आत्म अमर है, अविनाशी है और शरीर नश्वर है। जिन मनुष्यों ने बेलगाम होकर पेटूपन किया, मनचलेपन से काम किया या शराबी रहे उनकी आत्माएं शायद गधों आदि पशुओं के शरीरों में जाती हैं। जिन लोगों ने अन्याय, अत्याचार, लूटमार का जीवन बिताया है उनकी आत्माएं भेड़िया, बाज और भालुओं के शरीरों में प्रवेश कर जाती हैं। ..... आत्माएं सम–स्वभाव प्राणियों के शरीर में जाती हैं। उनमें से सबसे अधिक सुखी वे हैं जिन्होंने सामाजिक और जनहित के कार्य किए हैं अर्थात संयम और न्याय से काम लिया है। वे अपनी ही तरह मधुर और सामाजिक प्रकृति वाले प्राणियों में लौट आते हैं जैसे मधुमक्खी, तितली या चींटियां। ऐसा भी हो सकता है कि वे फिर से मनुष्य के शरीर में लौट आएं और योग्य नागरिक बनें।

बहुत थोड़े लोग ही अच्छे या बुरे हैं। अधिकांश लोग न तो अच्छे हैं और न बुरे। बहुत बड़ी और बहुत छोटी चीजों के सम्बन्ध में जो स्थिति है वैसी ही स्थिति इस मामले में है। यदि आप बहुत लम्बा या बहुत छोटा आदमी खोजें तो उसका पाना सबसे कठिन होगा। इसी प्रकार से बहुत तेज और बहुत सुस्त, बहुत नीच और बहुत उदार आदमी पाना भी कठिन होगा। अति वाले नमूने की बहुत कमी है और औसत नमूने ही अधिक और बहुसंख्यक हैं।

आपको यह जानना चाहिए कि शब्दों को गलत तरीके से इस्तेमाल करना न केवल एक दोष है बल्कि इससे आत्मा में बुराई पैदा होती है। पीने के लिए विष का प्याला जब सुकरात को थमाया गया तब सुकरात ने बिना कांपे वह ले लिया। न तो उनके चेहरे का रंग बदला, न माथे पर शिकन आई। सुकरात ने प्रार्थना की 'इसके बाद मेरी यात्रा शुभ हो, यही मेरी प्रार्थना है।' इन शब्दों के साथ उन्होंने प्याले को अपने होंठों से लगा लिया और उस विष को शान्ति से पी लिया।

सुकरात के मित्र जो उस समय उनके पास ही थे बड़े भयभीत, परेशान तथा दुःखी थे, वे रोने लगे। तब सुकरात ने कहा कि 'मैंने सुन रखा है कि मनुष्य को शान्ति से मरना चाहिए। इसलिए आप लोग शान्त रहें।' उनके मित्रों ने रोना बन्द कर दिया और सुकरात शान्तिपूर्वक परलोक को चले गए।

.831 सैक्टर 10, पंचकूला, हरियाणा, 0172–4010679

सार्वदेशिक सभा मुख्यालय में परिषद् की बैठक व सन्देश विहार में महिला सम्मेलन सम्पन्न

शनिवार, 8 दिसम्बर 2018, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की राष्ट्रीय कार्यकारिणी व सकिय कार्यकर्ताओं की बैठक महर्षि दयानन्द भवन, नई दिल्ली में श्री ओम सपरा (प्रधान, उतरी दिल्ली वेद प्रचार मण्डल) की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने आर्य महासम्मेलन 2019 की व्यापक तैयारी पर चर्चा करते हुए सफल बनाने का आह्वान किया। महामंत्री महेन्द्र भाई ने कुशल संचालन किया। द्वितीय चित्र–आर्य समाज, सन्देश विहार, दिल्ली में महिला सम्मेलन में उर्मिला आर्या, रचना आहुजा,पुष्पा चुघ, वन्दना जावा, अन्जु जावा, सीमा कपूर व सुषमा आर्या दिखाई दे रही हैं।

जहां नहीं होता कभी विश्राम ॥ओ३म्॥ आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 40 वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में

वायु प्रदुषण, पर्यावरण शुद्धि व राष्ट्र की सुख समृद्धि हेतु

डॉ. अशोक कुमार चौहान की अध्यक्षता व आचार्य अखिलेश्वर जी के ब्रह्मत्व में

स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी प्रणवानन्द जी, स्वामी श्रद्धानन्द जी के सान्निध्य में

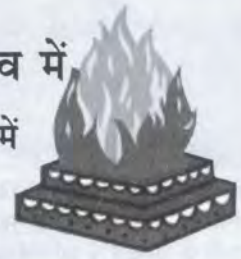

251 कुण्डीय विराट् यज्ञ

एवम्

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन

दिनांक : 1, 2, 3 फरवरी 2019 (शुक्रवार, शनिवार, रविवार)

स्थान : पंजाबी बाग स्टेडियम, रिंग रोड, नई दिल्ली-110026 (मेट्रो स्टेशन, पंजाबी बाग)

राष्ट्रीय एकता शोभा यात्रा : शनिवार, 2 फरवरी 2019, प्रात: 10.30 बजे से

रूट: पंजाबी बाग स्टेडियम से शुभारम्भ वाया वेस्ट एवेन्यू, सेन्ट्रल मार्किट, आर्य समाज, गुरु नानक स्कूल, लाल बत्ती से बाएं, नॉर्थ एवेन्यू, क्लब रोड, मादीपुर चौक से दाएं, मादीपुर गांव, अरिहन्त नगर, वेस्ट एवेन्यू होकर वापिस स्टेडियम पर समापन।

संयोजक-लॉयन प्रमोद सपरा, वीरेश बुग्गा, डॉ. दीपक सचदेवा, डॉ. विपिन खेड़ा, विश्वनाथ आर्य, सन्तोष शास्त्री, वीरेश आर्य, राकेश भटनागर, योगेन्द्र शास्त्री, प्रवीण आर्य, वीरेन्द्र योगाचार्य, डॉ. विशाल आर्य, ब्र. दीक्षेन्द्र, के.एल. राणा, ओमवीर सिंह, दिनेश आर्य, के.के. यादव, ईश आर्य, देवदत्त आर्य, विक्रांत चौधरी, विपिन मित्तल, जीवनलाल आर्य, सीमा-रोहित धींगड़ा, के.के सेठी, माधव सिंह, अशोक सरदाना, डिम्पल-नीरज भंडारी, नरेश विग, सुनील अग्निहोत्री, कस्तूरीलाल मक्कड़, सुरेन्द्र कोछड़, वेदप्रकाश आर्य, डॉ. मुकेश सुधीर

मुख्य यजमान : सर्वश्री दर्शन कुमार अग्निहोत्री, राजीव कुमार परम, अरुण बंसल, सुरेन्द्र मानकटाला, महेन्द्र मनचन्दा

शुक्रवार 1 फरवरी, 2019

101 कुण्डीय विराट यज्ञ	:प्रात: 8.30 से 10.30
ध्वजारोहण	:प्रात: 10.45 बजे
आर्य महिला सम्मेलन	:11.00 से 2.00 बजे
आर्य युवा सम्मेलन	:2.15 से 5.00 बजे
व्यायाम शक्ति प्रदर्शन	:5.00 से 6.00 बजे
भव्य संगीत संध्या	:रात्रि 7.00 से 9.00 बजे

शनिवार 2 फरवरी, 2019

यज्ञ	: प्रात: 8.30 से 9.30
ध्वजारोहण	: प्रात: 10.00 बजे
राष्ट्रीय एकता शोभा यात्रा	: प्रात: 10.30 से 1.30
राष्ट्र रक्षा सम्मेलन	: दोपहर 2.30 से 5.30
सामुहिक सन्ध्या	: सायं 5.30 से 6.00
वेद संस्कृत रक्षा सम्मेलन	: रात्रि 7.00 से 9.00

रविवार 3 फरवरी, 2019

151 कुण्डीय विराट् यज्ञ	: प्रात: 8.30 से 10.30
ध्वजारोहण	: प्रात: 11.00 बजे
राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन	: 11.30 से 2.30
शिक्षा संस्कृति बचाओ सम्मेलन	: 2.30 से 4.30
कार्यकर्ता सम्मान समारोह	: सायं 4.30 से 5.00 बजे
धन्यवाद एवम् शांतिपाठ समापन	: सायं 5.30 बजे

दिल्ली के बाहर से आने वाले आर्य बन्धु अपने पधारने की संख्या व समय के बारे में व यज्ञमान बनने के इच्छुक 15 जनवरी 2019 तक सूचित करने की कृपा करें जिससे भोजन व आवास का उचित प्रबंध किया जा सके। सम्पर्क : देवेन्द्र भगत-9958889970, दुर्गेश आर्य-9868664800, राजीव आर्य-9968079062 सुनील सहगल-9968074213, सौरभ गुप्ता-9971467978, अरुण आर्य-9818530543, वरुण आर्य-8586801154, विनोद कालरा-9899444347

हज़ारों की संख्या में पहुँचकर आर्य समाज की विराट् संगठन शक्ति का परिचय दें

अपील

इस रचनात्मक विशाल कार्यक्रम में आपका तन, मन, धन से सहयोग अपेक्षित है कृपया दानराशी क्रास चैक/ड्राफ्ट द्वारा "केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली" के नाम से कार्यालय के पते पर भिजवायें। ऋषि-लंगर के लिए आटा, दाल, चावल, चीनी, शुद्ध घी, रिफाईन्ड, सब्जी, मसाले आदि खाद्य सामग्री देकर पुण्य के भागी बनें

निवेदक

अनिल आर्य	यशोवीर आर्य	आनन्द चौहान	डॉ. रिखबचन्द जैन	सुभाष आर्य	सुरेन्द्र कोहली
राष्ट्रीय अध्यक्ष	रामकुमार सिंह	ठाकुर विक्रम सिंह	डॉ. लाजपत राय आर्य	कैलाश सांकला	नरेन्द्र आर्य सुमन
महेन्द्र भाई	सुभाष बब्बर	मायाप्रकाश त्यागी	योगराज अरोड़ा	रवि चड्डा	गायत्री मीना
राष्ट्रीय महामंत्री	स्वतन्त्र कुकरेजा	चन्द्रमोहन खन्ना	रमेश कुमारी भारद्वाज	राजेन्द्र लाम्बा	बलदेव जिन्दल
सुरेश आर्य	आनन्द प्रकाश आर्य	प्रदीप तायल	धर्मपाल कुकरेजा	बलदेव सचदेवा	डॉ. गजराज सिंह आर्य
सुशील आर्य	राम कृष्ण शास्त्री	प्रवीन तायल	प्रेम कुमार सचदेवा	सत्यानन्द आर्य	ब्रह्मप्रकाश मान
राष्ट्रीय मंत्री	कृष्ण प्रसाद कौटिल्य	अमित मान	प्रिं. अंजु महरोत्रा	आर.पी. सूरी	रविदेव गुप्ता
धर्मपाल आर्य	भानुप्रताप वेदालंकार	विकास गोगिया	सत्यवीर चौधरी	सुभाष मित्तल	ए.के. धवन
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	स्वागताध्यक्ष	स्वागतमंत्री		

स्वागत समिति: आ. प्रेमपाल शास्त्री, ओम सपरा, धर्मपाल परमार, अंजु जावा, नरेन्द्र कस्तूरिया, देवमित्र आर्य, उर्मिला आर्या, अर्चना पुष्पकरणा, जितेन्द्र डावर, गवेन्द्र शास्त्री, प्रवीण भाटिया, राजरानी अग्रवाल, विवेक-हीरालाल चावला, डॉ. विनोद क्षेत्रपाल, अमरनाथ बत्रा, भोपाल सिंह आर्य, अरविन्द आर्य, विजय भास्कर, विजयारानी शर्मा, अमीरचन्द रखेजा, चन्द्रप्रभा अरोड़ा, राजेन्द्र दुर्गा, राजेन्द्र निझावन, ओमप्रकाश यजुर्वेदी, चतरसिंह नागर, सुरेन्द्र शास्त्री, रामलुभाया महाजन, आदर्श आहूजा, प्रदीप गोगिया, सुशील बाली, डॉ. धर्मवीर आर्य, ओमप्रकाश गुप्ता, रणसिंह राणा, अशोक आर्य, बृजेश-पीतम गुप्ता, रमेश गाडी, सरोज-जवाहर भाटिया, मनोहरलाल चावला, हरिचन्द स्नेही

कार्यालय : आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007, मो. 9810117464, 9213402628, 9871581398, 9013137070

E-mail: aryayouth@gmail.com Website: www.aryayuvakparishad.com

Group: aryayouthgroup@yahoogroups.com • join-http:// www.facebook.com/group/aryayouth

गुरूकुल गौतम नगर व आर्य समाज टैगोर गार्डन विस्तार का उत्सव सम्पन्न

गुरूकुल गौतम नगर, नई दिल्ली का वार्षिक यज्ञ सोमवार 3 दिसम्बर से रविवार, 16 दिसम्बर 2018 तक सम्पन्न हुआ। चित्र में कैलेण्डर का विमोचन करते हुए ठाकुर विकम सिंह जी, स्वामी प्रणवानन्द जी, अनिल आर्य, आलोक जी, अजय सहगल, डा. आनन्द कुमार, रविदेव गुप्ता आदि। द्वितीय चित्र–रविवार, 3 दिसम्बर 2018, आर्य समाज, टैगोर गार्डन विस्तार, दिल्ली के उत्सव में अनिल आर्य, साथ में प्रधान अशोक आर्य, मंत्री ओमप्रकाश जसुजा, नरेश मुखी, पं.सुरेश झा, प्रवीन आर्या व अंजना तनेजा।

आर्य समाज प्रशान्त विहार का उत्सव व "बहुत हुआ इन्तजार अब मन्दिर बनाओ सरकार"

रविवार, 3 दिसम्बर 2018, आर्य समाज, प्रशान्त विहार, दिल्ली का उत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। श्री अनिल आर्य सम्बोधित करते हुए। मंच पर सरदार सुरेन्द्रसिंह गुलशन(जालन्धर)। प्रधान श्री धर्मपाल परमार ने आभार व्यक्त किया व मंत्री श्री नरेन्द्र क़स्तुरिया ने कुशल संचालन किया। द्वितीय चित्र–मंगलवार, 6 दिसम्बर 2018 को युनाईटेड हिन्दु फन्ट ने नई दिल्ली के जन्तर मन्तर पर प्रदर्शन करके केन्द्र सरकार से राम मन्दिर निर्माण करने की मांग की।

आर्य समाज, बाबरपुर पूर्वी व कालका जी, दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न

रविवार, 3 दिसम्बर 2018,. पूर्वी दिल्ली की आर्य समाज, बाबरपुर पूर्वी का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। चित्र में–विशिष्ट अतिथि श्री अनिल आर्य के साथ प्रधान श्री ऋषिपाल खोखर,महेन्द्र भाई, जवाहर भाटिया, नरेन्द्र आर्य, वेदप्रकाश आर्य, सोहन लाल आर्य व प्रवीन आर्या। मंत्री श्री चन्द्रपाल भारद्वाज ने कुशल संचालन किया। द्वितीय चित्र–आर्य समाज, कालका जी का वार्षिकोत्सव पर चित्र में–श्री गुप्ता जी के साथ अनिल आर्य,प्रधान रमेश गाडी,मंत्री राकेश भटनागर व डा.धर्मेन्द्र शास्त्री।

लुधियाना (पंजाब) में आर्य महासम्मेलन के लिये सम्पर्क अभियान

मंगलवार, 11 दिसम्बर 2018, आर्य समाज,दाल बाजार,लुधियाना के कर्मठ व्यक्तित्व श्री सन्त कुमार आर्य का सपत्नीक अभिनन्दन व आर्य समाज,जवाहर नगर,लुधियाना के कोषाध्यक्ष राजीव गुप्ता व अनुपमा गुप्ता का अभिनन्दन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य,प्रवीन आर्या व सुमित टण्डन।

92वां स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली के तत्वावधान में 92वां स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस समारोह रविवार, 23 दिसम्बर 2018 को प्रातः 11 बजे सांसद श्री प्रवेश साहिबसिंह वर्मा के निवास, 20, विंडसर पैलेस, जनपथ रोड़, नई दिल्ली में मनाया जायेगा। सभी आर्य जन ठीक प्रातः 10.45 पर स्थान ग्रहण कर लें।

–अनिल आर्य, संयोजक, 9868051444

हरियाणा प्रान्तीय बैठक शनिवार, 22 दिसम्बर को

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् हरियाणा प्रान्त की "अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन व 251 कुण्डीय विराट् यज्ञ" की व्यापक तैयारी हेतु विशाल आर्य कार्यकर्ता बैठक शनिवार, 22 दिसम्बर 2018 को प्रातः 11.30 बजे आर्य समाज, सैक्टर–13, करनाल में बुलाई गई है। परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनिल आर्य भी सम्बोधित करेंगे। कृपया सभी साथी समय पर पंहुचने की कृपा करें –स्वतन्त्र कुकरेजा, प्रान्तीय अध्यक्ष व वीरेन्द्र योगाचार्य–प्रान्तीय महामंत्री

शोक समाचार : विनम्र श्रद्धाजंलि

1. श्री आर्यवीर भल्ला (पूर्व प्रधानाचार्य, डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, सैक्टर–14, फरीदाबाद) का निधन।
2. आचार्य वेदव्रत शास्त्री (आचार्य प्रिंटिग प्रेस, रोहतक) का निधन।
3. श्रीमती पुष्पा भाटिया (धर्मपत्नि स्व.श्री विशम्भरनाथ भाटिया) का निधन।
4. श्रीमती सरोज गुप्त (धर्मपत्नि श्री विद्याभूषण गुप्ता, हौजखास) का निधन।
5. आचार्य आनन्द जी (पंजाबी बाग) की 22 दिन की सुपुत्री का निधन।

अपील: केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता सं. 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई.एफ.एस.कोड -SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868002130 पर एस.एम.एस कर दें जिससे रसीद भेजी जा सके। अग्रिम धन्यवाद सहित। –अनिल आर्य, मो.09810117464

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970